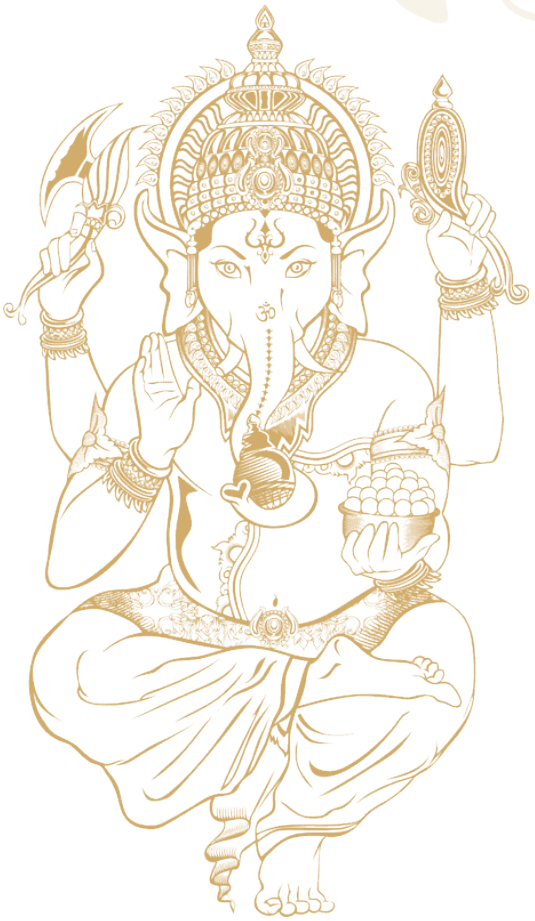

Tarun

08 Feb 1999

02:51 PM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121909908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/02/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:51:00 घंटे**
इष्ट	19:32:18 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:31:48 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	23:43:59 घंटे
सूर्योदय	07:02:04 घंटे
सूर्यास्त	18:04:58 घंटे
दिनमान	11:02:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:18:46 मकर
लग्न के अंश	14:18:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:18:44	320:49:18	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			मक	25:18:46	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:07:50	11:52:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	11:01:00	00:20:34	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मक	28:27:19	01:47:26	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	05:08:57	00:12:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	19:28:51	01:14:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			मेष	04:24:52	00:04:13	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	28:18:36	00:00:10	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:18:36	00:00:10	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:17:13	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:39:13	00:02:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:20:02	00:01:08	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	01:47:20	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:31

लग्न-चलित

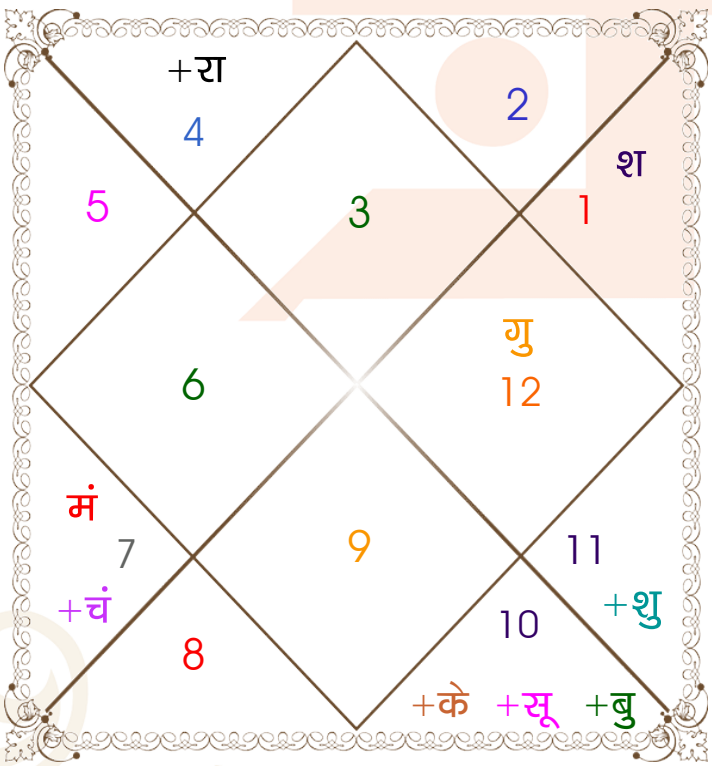

चन्द्र कुंडली

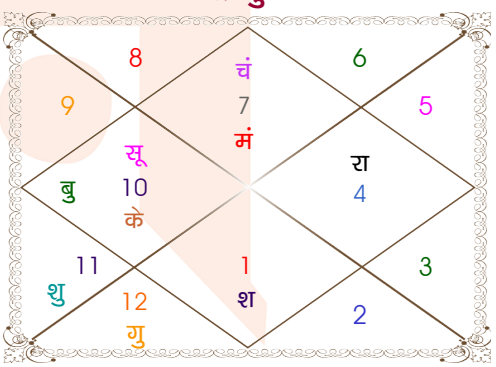

नवमांश कुंडली

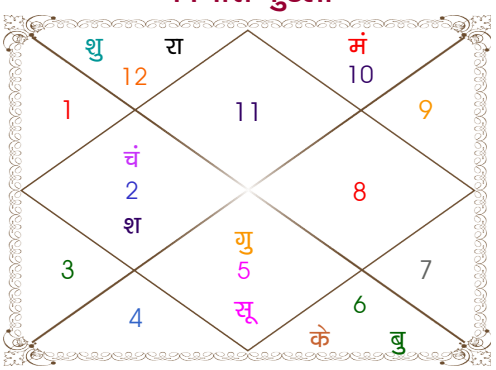

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 0 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/02/1999		24/02/2010		23/02/2029		24/02/2046		23/02/2053	
24/02/2010		23/02/2029		24/02/2046		23/02/2053		23/02/2073	
	00/00/0000	शनि	26/02/2013	बुध	23/07/2031	केतु	23/07/2046	शुक्र	25/06/2056
	08/02/1999	बुध	07/11/2015	केतु	19/07/2032	शुक्र	22/09/2047	सूर्य	25/06/2057
बुध	30/01/2001	केतु	15/12/2016	शुक्र	20/05/2035	सूर्य	28/01/2048	चंद्र	24/02/2059
केतु	06/01/2002	शुक्र	15/02/2020	सूर्य	26/03/2036	चंद्र	28/08/2048	मंगल	25/04/2060
शुक्र	06/09/2004	सूर्य	27/01/2021	चंद्र	25/08/2037	मंगल	24/01/2049	राहु	26/04/2063
सूर्य	25/06/2005	चंद्र	28/08/2022	मंगल	22/08/2038	राहु	11/02/2050	गुरु	25/12/2065
चंद्र	25/10/2006	मंगल	07/10/2023	राहु	11/03/2041	गुरु	18/01/2051	शनि	23/02/2069
मंगल	01/10/2007	राहु	13/08/2026	गुरु	17/06/2043	शनि	27/02/2052	बुध	25/12/2071
राहु	24/02/2010	गुरु	23/02/2029	शनि	24/02/2046	बुध	23/02/2053	केतु	23/02/2073

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/02/2073		24/02/2079		23/02/2089		24/02/2096		25/02/2114	
24/02/2079		23/02/2089		24/02/2096		25/02/2114		00/00/0000	
सूर्य	13/06/2073	चंद्र	25/12/2079	मंगल	23/07/2089	राहु	06/11/2098	गुरु	14/04/2116
चंद्र	13/12/2073	मंगल	25/07/2080	राहु	10/08/2090	गुरु	02/04/2101	शनि	26/10/2118
मंगल	19/04/2074	राहु	24/01/2082	गुरु	17/07/2091	शनि	07/02/2104	बुध	09/02/2119
राहु	14/03/2075	गुरु	26/05/2083	शनि	25/08/2092	बुध	26/08/2106		00/00/0000
गुरु	31/12/2075	शनि	25/12/2084	बुध	22/08/2093	केतु	14/09/2107		00/00/0000
शनि	12/12/2076	बुध	26/05/2086	केतु	18/01/2094	शुक्र	14/09/2110		00/00/0000
बुध	19/10/2077	केतु	25/12/2086	शुक्र	20/03/2095	सूर्य	08/08/2111		00/00/0000
केतु	24/02/2078	शुक्र	25/08/2088	सूर्य	26/07/2095	चंद्र	06/02/2113		00/00/0000
शुक्र	24/02/2079	सूर्य	23/02/2089	चंद्र	24/02/2096	मंगल	25/02/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 0 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।